Dr. Sarita Devi
Assistant Professor
Department of Psychology
Maharaja College, Ara

स्टर्नबर्ग का त्रिकोणात्मक बुद्धि सिद्धांत (Sternberg's Triarchic Theory of Intelligence)

- रॉबर्ट जे. स्टर्नबर्ग (Robert J. Sternberg) अमेरिकी मनोवैज्ञानिक हैं जिन्होंने 1985 में बुद्धि के बारे में एक व्यापक दृष्टिकोण प्रस्तुत किया।
- उनका मानना था कि बुद्धि का पारंपरिक माप (IQ Test) केवल व्यक्ति की शैक्षणिक या विश्लेषणात्मक क्षमता को मापता है,
- जबकि असली बुद्धि में रचनात्मक (creative) और व्यावहारिक (practical) पक्ष भी शामिल होते हैं।

इसलिए उन्होंने बुद्धि के तीन प्रमुख आयामों पर आधारित सिद्धांत दिया, जिसे उन्होंने Triarchic Theory of Intelligence कहा।

1. विश्लेषणात्मक बुद्धि/ घटक उपसिद्धांत (Analytical Intelligence /Componential Subtheory)

यह बुद्धि उस क्षमता से संबंधित है जो हमें समस्या का विश्लेषण करने, तर्क करने, और निर्णय लेने में मदद करती है।

यह पारंपरिक शैक्षणिक सफलता या IQ टेस्ट में सबसे अधिक दिखाई देती है।

प्रमुख विशेषताएँ:

- तार्किक सोच (Logical thinking)
- जानकारी का विश्लेषण (Information analysis)
- समस्या समाधान (Problem solving)
- निर्णय क्षमता (Decision making)

उदाहरण:

- गणित या विज्ञान के प्रश्न हल करना।
- किसी वाद-विवाद (debate) में तर्कसंगत उत्तर देना।
- परीक्षा में सही उत्तर का चयन करना।

Edit with WPS Office

घटक (Components):

स्टर्नबर्ग ने विश्लेषणात्मक बुद्धि को तीन प्रक्रियाओं में बाँटा:

1. Metacomponents – योजना बनाना, निर्णय लेना।
2. Performance Components – कार्य को अंजाम देना।
3. Knowledge-acquisition Components – नई जानकारी सीखना।

2. सृजनात्मक बुद्धि / अनुभवात्मक उपसिद्धांत (Creative Intelligence / Experiential Subtheory)

- यह बुद्धि व्यक्ति की नई परिस्थितियों में सोचने और नए विचार उत्पन्न करने की क्षमता को दर्शाती है।
- यह इस बात से संबंधित है कि व्यक्ति अपने अनुभवों को कैसे उपयोग में लाता है और नई चीजें सीखता है।

प्रमुख विशेषताएँ:

- नवीनता (Novelty)
- कल्पनाशीलता (Imagination)
- नवाचार (Innovation)
- नई परिस्थितियों में अनुकूलन (Adaptation to new situations)

उदाहरण:

- किसी कठिन परिस्थिति में अलग ढंग से सोचकर समाधान निकालना।
- कोई नया आविष्कार करना।
- किसी कहानी या चित्र में अनोखी कल्पना दिखाना।

दो प्रमुख पहलू:

1. Novelty: नई चीजों या परिस्थितियों से निपटने की क्षमता।

2. Automation: बार-बार किए गए कार्यों को सहजता से करना।

Edit with WPS Office

3. व्यावहारिक बुद्धि / प्रासंगिक उपसिद्धांत (Practical Intelligence / Contextual Subtheory)

यह बुद्धि व्यक्ति की वास्तविक जीवन की समस्याओं से निपटने की क्षमता को दर्शाती है।

इसे "Street Smartness" या "Common Sense Intelligence" भी कहा जाता है।

प्रमुख विशेषताएँ:

- सामाजिक समझ (Social understanding)
- परिस्थितियों के अनुसार व्यवहार (Adaptation)
- सही निर्णय लेना (Judgment)
- संसाधनों का सही उपयोग (Use of available resources)

उदाहरण:

- किसी कठिन सामाजिक परिस्थिति में समझदारी से व्यवहार करना।
- किसी समस्या में व्यवहारिक (practical) समाधान निकालना।
- सीमित साधनों में काम को सफलतापूर्वक पूरा करना।

तीन प्रकार की पर्यावरणीय प्रतिक्रियाएँ:

1. Adaptation (अनुकूलन): परिस्थिति के अनुसार खुद को बदलना।
2. Shaping (रूपांतरण): परिस्थिति को अपने अनुसार ढालना।
3. Selection (चयन): परिस्थिति को छोड़कर नई परिस्थिति चुनना।

स्टर्नबर्ग का निष्कर्ष:

- स्टर्नबर्ग के अनुसार, बुद्धि केवल एक अकादमिक या IQ क्षमता नहीं है।
- बल्कि यह व्यक्ति की तीनों क्षमताओं — विश्लेषणात्मक, सृजनात्मक और व्यावहारिक — का संतुलित उपयोग है।
- एक बुद्धिमान व्यक्ति वह है जो:
- समस्याओं को तर्कसंगत ढंग से हल करे (Analytical),
- नई स्थितियों में सृजनात्मक सोच दिखाए (Creative),
- और वास्तविक जीवन में समझदारी से निर्णय ले (Practical)।

Edit with WPS Office

सारांश तालिका:

बुद्धि का प्रकार	अन्य नाम	मुख्य कार्य	उदाहरण
विश्लेषणात्मक (Analytical)	Componential.	तर्क, विश्लेषण, निर्णय लेना	गणितीय प्रश्न हल करना
सृजनात्मक (Creative)	Experiential	नई सोच, नवाचार, कल्पना	नया आविष्कार या विचार बनाना
व्यावहारिक (Practical)	Contextual	वास्तविक जीवन में निर्णय लेना	सामाजिक या कार्य संबंधी निर्णय लेना

महत्त्व:

1. यह सिद्धांत पारंपरिक IQ की सीमाओं को तोड़ता है।
2. यह बताता है कि बुद्धि केवल स्कूल की सफलता नहीं, बल्कि जीवन में सफलता का भी आधार है।
3. यह शिक्षा प्रणाली में व्यावहारिक और सृजनात्मक सोच को बढ़ावा देने की वकालत करता है।

Edit with WPS Office